प्रो. एस.पी. सिंह बघेल
राज्य मंत्री
मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी
एवं
पंचायती राज मंत्रालय
भारत सरकार

सत्यमेव जयते

पंचायती राज

Prof. S.P. SINGH BAGHEL
Minister of State for
Fisheries, Animal Husbandry & Dairying
and
Panchayati Raj
Government of India

संदेश

14 सितंबर 1949 में हिंदी को हमारी राजभाषा के रूप में अपनाया गया था, इस महत्त्वपूर्ण घटना के संस्मरण हेतु प्रति वर्ष 14 सितंबर को हम हिन्दी दिवस के रूप में मनाते हैं । सांस्कृतिक और क्षेत्रीय विभाजनों को पाटने और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने में हिन्दी ने एक एकीकृत शक्ति के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एक सेतु भाषा के रूप में, इसने संचार को सुगम बनाया है, सामाजिक सामंजस्य को बढ़ावा दिया है, और साहित्य और लोककथाओं के माध्यम से हमारी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित किया है।

हिंदी का महत्व भाषा से परे है, यह व्यापार भाषा के रूप में आर्थिक विकास को बढ़ावा देती है, ग्रामीण नागरिकों को सूचना और शासन तक पहुंच प्रदान करती है, और शैक्षिक प्रयासों को माध्यम भाषा के रूप में सुगम बनाती है। इसका प्रभाव विविध है, जो इसे भारत के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक ताने-बाने के लिए महत्वपूर्ण बनाता है।

हिंदी दिवस के अवसर पर, हम उन विद्वानों, लेखकों और भाषाविदों के अथक प्रयासों को याद करते हैं जिन्होंने भाषा के विकास में अहम योगदान दिया है। उन्होंने अपनी मातृभाषा को संरक्षित और बढ़ावा देने की जिम्मेदारी का वहन किया ।

आइए हम हिंदी को अपने दैनिक जीवन में बढ़ावा देने का संकल्प लें, इसके आधिकारिक और सामाजिक संदर्भों में उपयोग को प्रोत्साहित करें। आइए हम हिंदी भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने वाली पहलों का समर्थन करें, और भाषाई विविधता को प्रोत्साहित करते हुए हिंदी की एकता की शक्ति का जश्न मनाएँ ।आइए हम उस भाषा को सम्मान दें जिसने हमारी पहचान और संस्कृति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेष रूप से अधिकारियों और जन प्रतिनिधियों को हिन्दी भाषा के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी उठानी चाहिए।

इस शुभ अवसर पर, मैं सभी नागरिकों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ।

(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

Office: Room No. 392, 'E' Wing, 3rd Floor, Krishi Bhawan, New Delhi-110001
Residence: 7, K. Kamraj Lane, New Delhi
Phone: 011-23782143, 23782548, 23782518, E-mail Id: mos-mopr@gov.in